केदारेश्वर माहात्म्य

काश्यां केदारभूमौ तु न तथा देहयातना।
अनायासेन देहत्यागमात्रेण च तारकम्॥
उपदिश्य महादेवः करोति स्वात्मवत्क्षणात्।
श्रीकालभैरवाद्यास्तुकाशीस्था देवतागणाः॥
केदारान्तर्गृहेऽस्माकं नैवाज्ञा संप्रवर्तते।
शिवप्रसादो बलवान् केन शक्यो निवारितुम्॥

अर्थ- काशी में केदारखण्ड में भैरवी यातना नहीं होती है जिस किसी तरह से केदार खण्ड में शरीर त्याग हो जाने पर तारकमन्त्र का उपदेश प्राप्त हो जाता है, भगवान् शङ्कर अपने समान बना देते हैं। भैरवादि समस्त देवतागण कह रहे हैं कि हम लोगों का आदेश केदारखण्ड में मरने वालों के ऊपर नहीं चलता। इसमें भगवान् शिव की कृपा ही मुख्य है इसको कोई टाल नहीं सकता।

केदारेशं महालिङ्गं देहकेदारनाशनम्।
केदाराणित्तपुत्राद्याभवन्ति ध्यान्तभूमयः॥
(ब्रह्मवैवर्त पुराण त्रिस्थलीसेतु पृष्ठ ११२)

ममकेदारलिङ्गे यः पत्रं वा पुष्पमेव वा।
कद्वित्रिचतुर्वापि चुलुकोदकमेव वा॥

SPECIFICATIONS

Number of flats	:	2 per floor level
Area per flat	:	96.62 Sqm/1040
Structure	:	R.C.C. frame structure with Brick wall partitions in Cement mortar
Finishing	:	All internal walls and ceilings cement mortar plaster with niru finish. External surface cement plaster with cement base paint.
Flooring	:	Grey cement mosaic flooring in rooms passage and verandah.
Kitchen	:	Kotah stone floor, ceremic tiles 4' ht on walls, stainless steel sink, Marble stone platform.
Toilets	:	Quality Vitrous China sanitary wares, C.P. Brass fittings .(GEM), Hot & Cold water lines, Ceramic Tiles flooring and on walls 4' ht. Fibreglass/PVC cistern.
Doors & Windows	:	Seasoned Chaap Wood/steel chawkhats, flush door shutters, Teak wood glazed window shutters enamelled paint.
Water supply	:	Provision for under ground and over head water storage tank, corporation water supply.
Sewer		

अर्पयेत स समस्ताद्य मुक्त सर्वाधिपोभवेत्।

(स्कन्द पुराणे)

अर्थ- मेरे केदारेश्वर शिवलिङ्ग में जो मनुष्य फूल विल्व पत्र, पुष्प और एक, दो, तीन, चार, चुलुक जल अर्पण करता है, उस व्यक्ति के समस्त पाप दूर हो जाते हैं, वह सभी पापों से मुक्त होता है तथा सभी का स्वामी बनता है।

जन्मद्वयार्जितम्पापं शरीरादपिनिर्व्रजेत् ।।५/२।।

दृष्ढ्वा केदारशिखरं पीत्वा तत्रत्यमम्वुच।

सप्तजन्मकृतात्पापान्मुच्यते नाऽत्रसंशयः ।।९।।

हरपापह्रदे स्नात्वा केदारेशम्प्रपूज्य च।

कोटि जन्मार्जितै नोभिर्मुच्यते नात्र संशयः ।।१०।।

सकृत्प्रणम्य केदारं हरपापकृतोरकः ।।११/१।।

(का० खं० अ० ७७)

अर्थ : दो जन्मों के अर्जित पाप भी शरीर से निकल जाते हैं। केदारशिखर (केदारेश्वर का दर्शन कर, तथा वहाँ के जल को पीकर व्यक्ति, सात जन्मों के पापों से छूट जाता है इसमें संशय नहीं है। पाप तापहारी ह्रद (कुण्ड) में स्नान कर, तथा केदारेश्वर की पूजा करने से कोटिजन्मों के अर्जित

~~पृष्ठ २९~~ ६

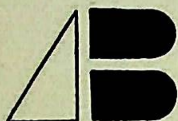
पृ० ४५६

Sewer	:	Sewer connected with Main sewer line.
Electricity	:	Electric points in each room, with Main Board arrangement on ground floor.
Accessories	:	Telephone outlet in Lobby with inter connecting conduit in each room. Main box on Gr. level.
		T.V. Antena outlet in Living Room, inlet of Antena in side Balcony. Cable T.V. arrangement can be provided on request.

Note :

1. Specifications subject to change at the time of construction / availability.
2. Finishing can be accommodated on the request of the individual purchaser/owner's flat on cost.

Architects :



CONSULTING ENGINEERS & ARCHITECTS
T.N. Bhargava
26, RATHYATRA MARKET
VARANASI - 221010

पापों से लोग छूट जाते हैं इसमें संशय नहीं है। एक बार भी केदारेश्वर को प्रणाम करने वाला पापमुक्त हो जाता है।

पुरा केदारनाथस्य क्षेत्रमन्तर्गृहं स्थितम्।
पूर्वस्यां दिशि गङ्गार्धभागं तीर्थसमर्चितम्॥
अर्द्धक्रोशं चाग्निदिशि लोलार्केशान्तदक्षिणम्।
सर्वपापप्रशमनं शङ्खोद्धारान्तनैर्ऋतम्॥
पश्चिमे वैद्यनाथान्तं रमातीर्थन्तु वायुदिक्।
उत्तरेशूलटङ्कान्तमीशान्यां क्रोशमर्धकम्॥
एतन्मध्ये शुभं लिङ्गं सर्वपापविनाशकम्।
श्री विश्वनाथकेदार काश्यां केदारनामतः॥
सद्यस्तारयते लोकान् भैरवीयातनां बिना।

· केदारमहात्म्य

अर्थ : यह केदार अन्तर्गृही के भीतर स्थित है। पूर्व की ओर आधी गङ्गा तक अग्नि कोण में आधाकोश तक दक्षिण में लोलार्क अस्सी तक, नैर्ऋतकोण में सब पापों के शमन करने वाले शङ्खोद्धार तक पश्चिम में वैद्यनाथ तक और वायव्य में लक्ष्मीतीर्थ तक, उत्तर में शूलटङ्क तक और ईशान में आधे कोश तक। इन क्षेत्रों के मध्य में सभी पापों को दूर करने वाला शुभ लिङ्ग विद्यमान है। श्री विश्वनाथ

TREATMENTS AND PAYMENT

T.R.T. NO	DATE	AREA	TIME	INT.	NEEDLE	TIME	PAID	REMARKS
1								
2								
3								
4								
5								
6								
7								
8								

केदार, काशी में केदार नाम से विख्यात हैं। केदारेश्वर, जीवों को भैरवी यातना के बिना ही शीघ्र ही तार देतें हैं।

धर्मार्थकाम मोक्षाणां काश्यां केदार भूमिका
यास्यबृद्धिकरी जाता विश्वेश नगरी बलात् ॥

(केदार माहात्म्य)

अर्थ : काशी में धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की उत्पत्ति का स्थान, केदारक्षेत्र है, विश्वनाथ की नगरी में जो काशी धर्मादि की वृद्धिकारिणी है एवं विश्वेश की नगरी है।

शिवलोकमावाप्नोति निष्पापों जायतेक्षणात्।

(काशी ख० अ० ७७ श्लोक ७४/२)

अर्थ : जो नर नारी केदारेश्वर के दर्शन पूजन करते हैं वह व्यक्ति तत्क्षण निष्पाप हो जाते हैं और उनको शिवलोक की प्राप्ति होती है।

केदारेश्वर नित्य दर्शन यात्रा

१. आदिमणिकर्णिका तीर्थाय नमः २. गौरीकुण्डाय नमः ३. हर पाप तीर्थाय नमः ४. मान्धातातीर्थाय नमः ५. रेवतीर्थाय नमः ६. मधुश्रवातीर्थाय नमः ७. हंसतीर्थाय नमः ८. केदारेश्वर तीर्थाय नमः ९. नीलकण्ठेश्वर तीर्थाय नमः। केदारघाट में स्नान करने वाले व्यक्ति को नौ तीर्थों

२९८

पृ० ४५८

MADE IN INDIA



में स्नान करने का फल मिलता है। (केदारेश्वर के और अन्य मंदिरों शिखरों के दर्शन करने से अमित फल प्राप्त करते हैं।) केदारघाट के ऊपर केदारेश्वर के पूर्व फाटक के बाहर दाहिने तरफ वैकुण्ठेश्वर के मन्दिर में गङ्गेश्वर किरातेश्वर, हंसेश्वर, सूर्येश्वर हैं। केदारेश्वर के दूसरे फाटक के दक्षिण बगल में शनैश्चरेश्वर, भैरवेश्वर, दक्षिणामूर्ति, दक्षिणेश्वर, महाविष्णु, लक्ष्मी देव्यै नमः, लक्ष्मीश्वराय नमः, विष्णुश्वराय नमः, विण्ड्श्वराय नमः। नी. बगल में हरपापेश्वर, नीलकण्ठेश्वर हैं। बगल में केदारेश्वर संसद सभा है।

केदारेश्वर सभाभ्यो नमः, पश्चिम फाटक से सटे हुए उत्तर के फाटक के अन्दर शंकरजी के मंदिर में तारकेश्वर हैं। तारकेश्वर से सटे हुये बगल में सुराभाण्डेश्वर हैं, सटे हुए बगल में विभाण्डेश्वर, तिलभाण्डेश्वर है।

बगल में पार्वती देवी हैं। पार्वतीदेवी जी के मंदिर में कालनरेश्वर हैं, नन्दिकेश्वर हैं, चण्डगण हैं। सटे हुए पूर्व बगल के मन्दिर में इन्द्रधूम्नेश्वर है। केदारेश्वर के दूसरे फाटक के दोनों तरफ दीवाल से सटे हुए दण्डा हाथ में लिये हुए पूर्वाभिमुख खड़े दोनों द्वारपाल हैं।

बीरभद्रद्वारपालाय नमः, सुभद्रगणाय नमः दूसरे दरवाजा

you take the above actions more **consciously, methodically & regularly.** A[illegible] for this you will have to always remain **alert** and **involved**.

» At your end, there should also be very **clear objectives** behind framing any strategy. These objectives should be based upon the following **two basic & fundamental facts:-**

Fact No.1: Maximization of Profits.

Fact No.2: Adherence to Business Objectives.

Now, it is important to know, why & how can we maximize our profits. This can easily by achieved by **establishing the Leader Products** because these products sell round the year, these products give you better revenue and these products enhance the image of your organisation. Moreover, from these products your own income also increases as you become entitled to earn incentives.

The second fact is equally important to understand. No plan or strategy can be meaningful unless it is in accordance with your ultimate business objectives. In other words no plan or strategy should be isolated from the **business objectives** otherwise the very purpose of doing business will be lost. **In PMG, there are only**

के अन्दर दाहिने तरफ केदारेश्वर भैरव दण्डपाणि गणेश, स्कन्द और भवानी, अन्नपूर्णाजी हैं। केदारेश्वर के तीसरे फाटक के ऊपर महालक्ष्मी पूर्वाभिमुख हैं, लक्ष्मी जी के दक्षिण बगल के शिवमंदिर में देवोद्वाशेश्वर हैं। भृङ्गीश्वर, नन्दीश्वर हैं।

केदारेश्वराय नमः (म० नं० बी० ६/१०२ में है, मु० केदारघाट) केदारेश्वर के मन्दिर से सटे हुए दक्षिण बगल में हरि हरेश्वर हैं।

हरिहरेश्वराय नमः (म० नं० बी० ६/१०१ में है, मु० केदारघाट करपात्रिधाम में है, केदारघाट)

भूमानिकेतन में मोक्षलक्ष्मी, मनसादेवी, नीलकण्ठेश्वर हैं।

मोक्षलक्ष्मी देव्यै नमः (म० नं० १ ६/९९ में है।) नी.

मनसा देव्यै नमः (म० नं० ६/९९ में है। पश्चिम बगल के शिव मंदिर में माण्डूकेश्वर, शिवेश्वर, मोक्षेश्वर हैं।

मोक्षेश्वराय नमः (म० नं० बी० ७/१९ में है, मु० केदारघाट) पश्चिम बगल में लम्बोदर विनायक चिन्तामणि गणेश जी के नाम से प्रसिद्ध हैं।

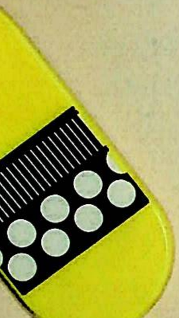
लम्बोदर विनायकाय नमः (मंदिर नम्बर बी० ७/७६ में है, मु० पिताम्बरापुरा, सोनारपुरा) केदारेश्वर के पास में

एक 300

पृष्ठ ४६०

[illegible] $\times 10^3$.

[illegible]



मार्कण्डेश्वर, ओंकारेश्वर, अम्वरिषेश्वर हैं।

मार्कण्डेश्वराय नमः (म० नं० बी० ७/१८२ में है, नी.)

ओंकारेश्वराय नमः (म० नं० बी० ७/१८३ में है, नी.)

अम्बरिषेश्वराय नमः (म० नं० बी० १४/८ में है, मु० चौकीघाट) केदारेश्वर नित्य यात्रा पूर्ण हुई।

केदारेश्वर अन्तर्गृही यात्रा जाने के एक दिन पहले केदारेश्वर नित्य यात्रा करें। लम्बोदर विनायक, तिलभाण्डेश्वर का दर्शन करें। प्रातः नित्य कर्म से निवृत्त होकर केदारघाट में स्नान करके पूजा की सामग्री साथ में लेकर त्रिपुण्ड लगलाकर गङ्गाजल, भस्म, विल्वपत्र, रुद्राक्ष की माला, ऋतुफल, वस्त्र, अक्षत, धूप, दीप, नैवेद्य, पैसा इत्यादि साथ में लेकर केदारेश्वर के दर्शन, पूजन करने के पश्चात् संकल्प लें। यात्रा प्रारम्भ करें। केदारेश्वर अन्तर्गृही यात्रा

१. केदारेश्वराय नमः केदार घाट केदारेश्वर के पश्चिम फाटक से दक्षिण

२. हरिहरेश्वराय नमः (म० नं० बी० ६/१०१ मु० करपात्री घाट, केदारघाट) हरिश्चन्द्रेश्वर हरिश्चन्द्र घाट में लुप्त हो गये थे। शिव कान्ची काशी मठ के शंकराचार्य श्री जितेन्द्रानन्द सरस्वती जी ने मन्दिर बनाकर हरिश्चन्द्रेश्वर की स्थापना की।

MARKSHEET

Dated 23 . 4 . 1987

✓ M.A./M.Sc. (FINAL) GEOGRAPHY EXAMINATION

Marks obtained by Shri/Smt./Km. Durgesh Kumar Singh

Examination Roll Number 101 at the M.A./M.Sc.(Final) Examination of 1985.

Subjects	Marks obtained	Full Marks
Compulsory Paper :		
Paper VII : Evironmental Studies	62	100
Optional Group : Any one to be offered		
GROUP I : *Population and Settlement Geography*		
Paper I : Geography of Population ..	62	100
Paper II : Population Typology	76	100
Paper III : Rural Settlements	63	100
Paper IV : Urban Settlements	[illegible]	100
GROUP II : *Applied Geography and Regional Planning*		
Paper I : Applied Geography ..		
Paper II : Rural-Urban Landuse and Planning ..		100
Paper III : Resource Planning ..		100
Paper IV : Regional Planning ..		100
GROUP III : *Land and Water Resources*		
Paper I : Terrain Evaluation ..		100
Paper II : Land Resources Evaluation ..		100

जो काम-कोटि नाम से प्रसिद्ध है। बगल में शंकर मठ की स्थापना करके दण्डीस्वामी को महन्त बनाकर सब व्यवस्था की। (रामेश्वर नित्य यात्रा प्रारम्भ)।

हरिश्चन्द्रेश्वराय नमः (म० नं० बी० ४/६२ में हैं, हरिश्चन्द्रघाट)। भरतेश्वराय नमः (म० नं० बी १४/११ में हैं मु० हनुमान घाट) लक्ष्मणेश्वराय नमः (म० नं० बी ४/४५ में है, मु० हनुमानघाट) शत्रुघ्नेश्वराय नमः (म० नं० बी० ४/४८ में है, मु० हनुमान घाट) शत्रुघ्नेश्वर से सटे हुये उत्तर बगल के कर्नाटक स्टेट के फाटक के अन्दर दाहिनी तरफ में नागेश्वर हनुमतेश्वर हैं।

नागेश्वराय नमः (म० नं० बी० ४/५२ में है, मु० हनुमानघाट)।

८. दशरथेश्वराय नमः (बी० ४/५२ में हैं।

९. हनुमतेश्वराय नमः (म० नं० बी० ४/५२ में हैं, मु० हनुमानघाट)।

१०. रामेश्वराय नमः (म० नं० बी० ४/११ में हैं, मु० हनुमानघाट)।

११. रूरूभैरवाय नमः (मं० नं० बी० ४/११ में हैं, मु० हनुमानघाट)।

3. Avery, T.E., and G.L. Berlin, *Interpretation of Aerial Photographs*, 4th ed., Burgess, Minneapolis, Minn., 1985.

4. Barrett, E.C., and L.F. Curtis, *Introduction to Environmental Remote Sensing*, 2nd ed., Halsted Press, Wiley, New York, 1982.

5. Barzegar, F., "Earth Resources Remote Sensing Platforms," *Photogrammetric Engineering and Remote Sensing*: vol. 49, no. 12, December 1983, p. 1669.

6. Bauer, M.E., et al., "Field Spectroscopy of Agricultural Crops," *IEEE Transactions on Geoscience and Remote Sensing*, vol. GE-24, no. 1, January 1986, pp. 65–75.

7. Bowker, D.E., et al., *Spectral Reflectances of Natural Targets for Use in Remote Sensing Studies*, NASA Ref. Publ. 1139, National Technical Information Service, Springfield, Va., 1985.

8. Colwell, R.N., et al., "Basic Matter and Energy Relationships Involved in Remote Reconnaissance," *Photogrammetric Engineering*, vol. 29, no. 5, 1963, pp. 761–799.

9. Curran, P.J., *Principles of Remote Sensing*, Longman, London, 1985.

10. Duggin, M.J., and T. Cunia, "Ground Reflectance Measurement Techniques: A Comparison," *Applied Optics*, vol. 22, no. 23, December 1983, pp. 3771–3777.

11. Egan, W.G., *Photometry and Polarization in Remote Sensing*, Elsevier, New York, 1985.

12. Estes, J.E., and L.W. Senger (eds.), *Remote Sensing: Techniques for Environmental Analysis*, Hamilton, Santa Barbara, Calif., 1974.

13. Harper, D., *Eye in the Sky: Introduction to Remote Sensing*, 2nd ed., Multiscience, Montreal, 1983.

14. Holz, R.K., *The Surveillant Science: Remote Sensing of the Environment*, 2nd ed., Wiley, New York, 1985.

15. Jackson, R.D., and P.N. Slater, "Absolute Calibration of Field Reflectance Radiometers," *Photogrammetric Engineering and Remote Sensing*, vol. 52, no. 2, February 1986, pp. 189–196.

16. Jackson, R.D., et al., *Hand-Held Radiometry*, USDA SEA Agricultural Reviews and Manuals, ARM-W-19, Oakland, Calif., 1980.

17. Kalensky, Z., and D.A. Wilson, "Spectral Signatures of Forest Trees," *Proceedings, Third Canadian Symposium on Remote Sensing*, 1975, pp. 155–171.

18. Kennie, T.J.M., and M.C. Matthews, *Remote Sensing in Civil Engineering*, Wiley, New York, 1985.

19. Lintz, J., and D.S. Simonett (eds.), *Remote Sensing of Environment*, Addison-Wesley, Reading, Mass., 1976.

20. Merideth, R.W., Jr., and A.B. Sacks, "Education in Environmental Remote Sensing: A Bibliography and Characterization of Doctoral Dissertations," *Photogrammetric Engineering and Remote Sensing*, vol. 52, no. 3, March 1986, pp. 349–365.

21. National Research Council Committee on Remote Sensing for Agricultural Purposes, *Remote Sensing: with Special Reference to Agriculture and Forestry*, National Academy of Science, Washington, D.C., 1970.

22. Sabins, F.F., Jr., *Remote Sensing: Principles and Interpretation*, 2nd ed., Freeman, New York, 1986.

23. Schanda, E., *Physical Fundamentals of Remote Sensing*, Springer-Verlag, New York, 1986.

१२. सीतेश्वराय नमः (म० नं० बी० ४/११ में हैं, मु० हनुमानघाट)। रामेश्वर से दक्षिण बगल में वशिष्ठेश्वर हैं।

१३. वसिष्ठेश्वराय नमः (म० नं० बी० ४/२० में हैं मु० हनुमानघाट)। वसिष्ठेश्वर से दक्षिण ज्ञान हनुमान जी के मंदिर में।

१४. स्वप्नेश्वराय नमः (म० नम्बर बी० ३/१५ में है, मु० शिवाला)।

१५. स्वप्नेश्वरी देव्यै नमः (म० न० बी० ३/१५ में हैं।)

१६. जयन्तेश्वराय नमः (म० नं० बी० ३/१५ में हैं।)

यहाँ से दक्षिण आनन्दमयी घाट के ऊपर गणेश जी के बगल में हैं।

१७. अक्रूरेश्वराय नमः (म० नं० बी० २/७४ में मु० बच्छराजघाट)। यहाँ से दक्षिण लोलार्ककुण्ड के पश्चिम बगल में देवी जी की मंदिर में हैं।

१८. चामुण्डा देव्यै नमः (म० नं० बी० २/६२ में है, मु० लोलार्क कुण्ड)।

१९. चर्ममुण्ड देव्यै नमः (म० नं० बी २/६२ में)।

आनन्द और प्रसाद जब तक मेल नहीं होता, सत्य, नाम और चमत्कार, नित्य और अनित्य अलग से प्रतीत होते हैं।

• • •

नास्तिकता की विचारणा शक्ति. नैतिकता के पदार्थों को गले देने में सक्षम है - इस निबंध में रसेल अनुगामी पदा मनो के ज्ञान की प्रोफेसर एल.एन. के रि. लिजन का कहना है कि यह सब के ज्ञान का तथ्य है कि ब्रह्माण्ड में कोई ऐसा कानून नहीं है - जिसने आत्म...

२०. निर्वाणकेशवाय नमः (म० नं० बी० २/६४ में हैं, चामुण्डा देवी जी से सटे हुये पूर्व बगल में हैं)।

२१. लोलार्क सूर्यतीर्थाय नमः।

२२. लोलार्केश्वराय नमः (म० नं० बी० २/३१ बगल में हैं, मु० लोलार्क)।

२३. लोलार्केश्वर से दक्षिण ऊपर सटे हुये शिवालय में है)।

२४. कुण्डोदरेश्वराय नमः (म० नं० बी० २/३१ में है)।

२५. कार्तिकेश्वराय नमः (म० नं० बी० २/१८ में है, मु० लोलार्ककुण्ड)।

२६. महारण्डा देव्यै नमः (म० नं० १/२/१८ में है, मु० अमरनाथजी के मंदिर से सटे हुये उत्तर बगल के मंदिर में।)

२७. भैरवेश्वराय नमः (म० नं० बी० २/२० में है, मु० लोलार्क घाट)।

२८. भद्रेश्वराय नमः (म० नं० बी० २/२० में है)।

२९. अमरनाथेश्वराय नमः (म० नं० बी० २/२० में है, मु० लोलार्कघाट)।



programmes of rapid industrialisation, (iii) and the part that might be played by the central Government in furthering such programmes.

In giving particular attention to these three aspects in the present work, no attempt has been made to hammer out a theory of industrialisation. Indeed, this preliminary study, of necessity as geographically comprehensive as possible, has been devoted chiefly to the presentation of what would seem to be some of the most relevant considerations affecting the growth of industry. Nevertheless, a certain amount of analysis and interpretation have been attempted and in the course of this a number of assumptions have been made.

३०. पराशरेश्वराय नमः (म० नं० बी० २/२१ में है, मु० लोलार्कघाट) पूर्व बगल में उद्दालकेश्र हैं।

३१. उद्दालकेश्वराय नमः (म० नं० बी २/१९ में है, मु० लोर्लाकघाट)।

३२. अर्क विनायेकेश्वराय नमः (म० नं० बी० २/१९ में है, मु० लोलार्कघाट)।

३३. अर्कविनायकाय नमः (म० नं० बी० २/१९ में है)। यहाँ से दक्षिण बगल में तुलसी गणेश जी उत्तराभिमुख हैं।

३४. तुलसीगणेशाय नमः (म० नं० बी० २/१६ में हैं, मु० तुलसीघाट)। निर्विघ्न तुलसी दास रामायण लिखने के लिये इन्हीं गणेश जी की स्थापना कर के प्रतिदिन दर्शन, पूजन करते हुए रामायण लिख कर पूर्ण किया। यह गणेश जी संपूर्ण विघ्न को दूर करते हैं।

३५. अस्सी माधवाय नमः (म० नं० बी० २/१६ में है, मु० तुलसीघाट)।

३६. त्रिविक्रमेश्वराय नमः (म० नं० बी० २/१६ में है, मु० तुलसीघाट)।

बगल में बालसिद्ध हनुमान जी के दर्शन करके चलें। त्रिविक्रमेश्वर से सटे हुए दक्षिण बगल में तुलसी घाट के

Super Thermal Power Station at a cost of Rs. 4.68 Crores in Mirzapur district and at Magahar Cotton Mills at a cost of Rs. 6 crores in Basti district. In the Private sector Basant Paper Mill had been established at Ramnagar at a cost of Rs. 3 crores.

The main handloom industry of Eastern Uttar Pradesh occupies an important place in the economy of the region. The industry was spread all over the region during the fifth plan period. One design centre had been started at Mau. For providing warehouses facilities to the weavers. Ware houses had been established, one each at Gorakhpur and Mau.

DEVELOPMENT AND PROCESS OF INDUSTIALISATION :

A new industrial climate has been created in the state for attracting substantial industrial investment. The strategy includes new concessions such as exemption from sales Tax incentives to 'prestige' and 'pioneer' units, priorities in the licences and letters of intent for industries in backward and 'zero' industry districts and developing infrastructure facilities to the requirements of industrial growth. In the small scale sector, attempt will be made to promote at least one small scale industry having an

ऊपर पंक्तिबद्ध ३ शिव मंदिर हैं।

३७. जनकेश्वराय नमः (म० नं० बी० २/१६ में है, मु० तुलसीघाट दूसरे मंदिर में कपिलेश्वर हैं।

३८. कपिलेश्वराय नमः (म० नं० बी० २/१६ में है, मु० तुलसीघाट)। तीसरा मंदिर गङ्गासागरेश्वर का है।

३९. गङ्गासागरेश्वराय नमः (म० नं० बी० २/१६ में है, तुलसीघाट)।

४०. अस्सीसंगमेश्वर तीर्थाय नमः। गङ्गाजल साथ में लेकर चलें।

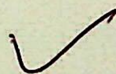
४१. अस्सीसंगमेश्वराय नमः (म० नं० बी० १/१७४ में हैं, मु० अस्सीघाट)।

४२. मायादेव्यै नमः (म० नं० बी० १/१७४ में हैं। अस्सी घाट से पश्चिम सिद्धेश्वर हैं।)

४३. सिद्धेश्वराय नमः (म० नं० बी० २/२८२ में हैं, मु० गोयनका संस्कृत महाविद्यालय में हैं, मु० अस्सी)।

४४. सिद्धेश्वरी देव्यै नमः (म० नं० बी० २/२८२ में हैं)।

पञ्च पूजयेद्यस्तु सततं सिद्ध सप्तकम्।



Nirman, Wood Carving Complex and Pital, Basti and Tossar Development Project, Mirzapur[18]. (Table 2.3)

Table 2.4 : Growth of Small and Artisan oriented Industries during VI & VII plan in Eastern Uttar Pradesh.

Year	Tiny / S.S.I. Units (in number)	
	New	Cumulative
1980 — 81	530	18295
1981 — 82	714	18825
1982 — 83	619	19539
1983 — 84	674	20158
1984 — 85	723	20832
1985 — 86	586	21418
1896 — 87	708	22126
1987 — 88	872	22998
1988 — 89	938	23936

There was also Rs. 290 lacs of Plan out-lay in Bhabha Mine Obra, Mirzapur

पश्येद्यस्मरते वापि सर्वदोषैर्विमुच्यते॥

गोयनका विद्यालय के के पञ्चदेव मंदिर में।

४५. पञ्चपरमेश्वराय नमः (म० नं० बी० १/४ में है, मु० अस्सी)।

४६. कुरुक्षेक्ष सूर्य तीर्थाय नमः (तीर्थ के पूर्व तट के शंकर जी के मंदिर में हैं, सूर्यग्रहण में कुरुक्षेत्र सूर्यतीर्थ में लाखों यात्री स्नान करने आते हैं।

४७. स्थाणुलिङ्गेश्वराय नमः (म० नं० बी० २/२६२ में हैं, मु० कुरुक्षेत्र तीर्थ)। कुरुक्षेत्रेश्वराय नमः (म० नं० बी० २/२८२ में है, मु० कुरुक्षेत्र रविन्द्रपुरी कालोनी)। दुर्गाकुण्ड के पूर्व तट में जो संगमरमर के मंदिर है वहीं भास्करेश्वर का मंदिर है (भास्करानन्दजी का इतिहास केदारेश्वर अन्तर्गृही यात्रा में लिखा गया है)।

दुर्गाजी की नित्य यात्रा प्रारम्भ

४९. भास्करेश्वराय नमः (म० नं० बी २७/६७ में है, मु० आनन्दबाग, दुर्गाकुण्ड) सेनापति हनुमान जी के दर्शन करके चलें।

५०. दुर्गाविनायक, दुर्गातीर्थ दुर्गाकुण्डाय नमः। दुर्गाकुण्ड में पक्का विशाल कुण्ड है, कुण्ड के बीच में और कुण्ड

Bio - Data

Dr. S.P. OJHA

Name	:	SANT PRASAD OJHA
Present Position	:	Professor of Applied Physics, Department of Applied Physics, Institute of Technology, Banaras Hindu University, Varanasi - 221005 INDIA
Date of Birth	:	11.11.1943
Education	:	

Ph. D. 1972 Atomic Collision Physics,
Banaras Hindu University,
Varanasi INDIA .
Ph.D thesis was rated as an
"Excellent piece of research work"

के पूर्व उत्तर के कोने में स्रोत है। इसतीर्थ में मंगलवार, शनिवार और प्रत्येक अष्टमी के दिन स्नान करके दुर्गा जी के दर्शन यात्रा करते हैं।

५१. दुर्ग विनायकाय नमः (म० नं० बी० २७/२ में है, मु० दुर्गाकुण्ड)। मयूरेश्वराय नमः (म० नं० बी० २७/२ में हैं।

५२. सूपकर्णेश्वराय नमः (म० नं० बी० २७/२ में है)।

५३. कूटकुटेश्वराय नमः (म० नं० बी० २७/२ में है, मु० दुर्गाकुण्ड)।

५४. जाङ्गलेश्वराय नमः (म० नं० बी० २७/२ में है)।

५५. दुर्गाविष्णवे नमः (म० नं० बी० २७/२ में दुर्गा हनुमान जी के मंदिर में है)।

५६. तिलपर्णेश्वराय नमः (म० नं० बी० २७/२ में है)

पश्चिम फाटक से दुर्गाजी के दर्शन करें दुर्गाशक्ति तीर्थाय नमः। (कुँवा के रूप में है।)

५७. दुर्गा देव्यै नमः (म० नं० बी० २७/२ में है)।

दुर्गाजी के दर्शन करने वाले नर-नारियों के संकट, पाप दूर हो जाते हैं।

only 1, 2 and 2 units respectively.

The main large scale industries are Sugar, textile, chemical and allied industries, cement, paper and paper products, electronics and electrical goods, Diesel engine and Electricity.

Table 4.12 : Major Large and Medium Industries in Eastern Uttar Pradesh (1989)

Name of Industry	Total Units	Investment (Rs. crore)	Employment
Sugar	36	86.56	27670
Chemical and allied	18	132.08	12460
Cotten Textile & Jute	11	88.53	12314
Paper Products & News Papers	10	18.97	1234
Electronics & Electrical Goods	9	71.91	3637
Electricity	6	4193	20321
Iron & Steel Products	5	7.29	249
Cement	3	51.7	4364
Aluminium	2	237	6083

५८. रुद्र भैरवाय नमः (म० नं० बी० २७/२ में है)।

५९. द्वारेश्वरी देव्यै नमः (म० नं० २७/२ में है)। दुर्गाजी के दक्षिण फाटक के पास द्वारेश्वरी माया देवी उत्तराभिमुख हैं।

६०. चण्डभैरवाय नमः (म० नं० बी० २७/२ में है)।

६१. भैरवाय नमः (म० नं० बी० २७/२) पश्चिम फाटक के बाहर सूर्य के मन्दिर में है।

६२. द्वारेश्वराय नमः (म० नं० बी० २७/२ में है)।

६३. कृष्णेश्वराय नमः (म० नं० २७/२ में है) दुर्गा चौराहा से पश्चिम बगल से उत्तर कौड़ीदेवी गली में।

६४. वाराहिकं देव्यै नमः (म० नं० बी० २७/२० में है, मु० कौड़ीदेवी)।

६५. मुकुटेश्वराय नमः (म० नं० बी० २७/२० में है)। मुकुटेश्वर से उत्तर धर्मसंघ जाने वाली गली से धर्मसंघ के दक्षिण फाटक से श्रीमद्भागवत मन्दिर बन रहा है, दर्शन करें। नवाबगंज

काश्मीरी गंज, शंकुधारा होते हुए द्वारिका तीर्थ। काशी खण्ड में द्वारिका शंकु तीर्थ का वर्णन है, विशाल पक्काकुण्ड है, कुण्ड के पूर्व तट पर

३०८

२८८ ३१०

पृ० ४६०

drugs in different [illegible] combination have proved to be a drug of choice for rheumatoid arthritis. Experimental study of *D. lanceolaria* extract has shown significant reduction in the swelling induced by injecting 2% formaldehyde solution in the hind paw. Phenyl butazone was used as the positive control (Fig. 1).

The above total extract was further divided into two fractiosn (a) organic and (b) Aqueous fraction. Both fraction were separately tested on same formaldehyde model and it was found that organic extract was more effective than the aqueous extract (Fig. 2 A & B).

Clinical study:

In a clinical trial conducted on 24 patients significant improvements were recorded, which were divided into four groups

Group -I Complete Remmision (n=10)

No systemic sign of rheumatoid arthritis.
No sign of joint inflammation.
No remaining impairment of joint immorbidity.
No elevation of sedimentation rate(ESR)
No Articular deformity.

Group-II Major improvement : (n = 1 0)

1. No systemic sign of rheumatoid activity with the exception of elevated sedimetation rate.
2. Major signs of inflammation resolved.

६७. द्वारिकातिर्थाय नमः।

६८. शंकुकूर्णेश्वराय नमः (म० नं० बी० २२/६५ में है, मु० शंकुधारा) यहाँ से द्वारिकानाथ नित्य यात्रा प्रारम्भ

६९. रूक्माङ्गदेवेश्वराय नमः (म० नं० बी० १२२/६५ में हैं)।

७०. रुक्माङ्गदेवेश्वराय नमः (म० नं० बी० १२२/६५ में है)।

७१. द्वारिकेश्वराय नमः (म० नं० बी० १२२/६५ में है)।

रुक्मणीशक्ति तीर्थ पूर्व बगल में कुँआ के रूप में है, यहाँ जलपान करके चलें।

७२. द्वारिकानाथ विष्णवे नमः (म० नं० बी० २२/१६५ में है, मु० शंकुधारा) शंकुधारा तीर्थ के दक्षिणतट में वासुदेव हैं।

७३. वासुदेवेश्वराय नमः (म० नं० बी० २२/१६५ में है)

७४. सूभद्रेश्वराय नमः (म० नं० बी० २२/१६५ में है) शंखूधारा के पश्चिम तट पर।

पृ० ४६१

APARTMENTS
at Nagwa, Lanka, Varanasi

Rate	:	Rs. 575/- per sft.
Inaugural discount	:	Rs 20/- per sft

PAYMENT PLAN

Plan A	:	**Down payment plan with 10% discount**
● On booking		10%
● Within 60 days of booking		85%
● On possesion		5%

Plan B	:	Linked with construction and development
● On booking		10%
● On casting ground floor roof slab		20%
● On casting of first floor roof slab		20%
● On casting of second floor roof slab		15%
● On casting of third floor roof slab		5%

७५. दुर्वासेश्वराय नमः (म० नं० बी० में है, मु० शंकुधारा) दुर्वासेश्वर के मंदिर में

७६. गोपीश्वराय नमः (म० नं० बी० में है, शंकुधारा) शंखूधारा से उत्तर बैजनथ्था मुहल्ले में सड़क के पूर्व पटरी में च्यवनेश्वर हैं।

कामाक्षा देवी बटुक भैरवनित्य दर्शन यात्रा प्रारम्भ

७७. च्यवनेश्वराय नमः (म० नं० बी० में है, मु० वैजनथ्था)

७८. बैजनाथेश्वराय नमः (म० नं० बी० ३७/१ में है, मु० बैजनथ्था)।

७९. कहोलेश्वराय नमः (म० नं० बी० ३७/१ में है, मु० बैजनथ्था) यहाँ से पूर्व कामाक्षा देवी के मंदिर में।

८०. कामाक्षा देव्यै नमः (म० नं० बी० २१/१२३ में है, मु० कामाक्षा)

८१. क्रोधन भैरवाय नमः (म० नं० बी० २१/१२३ में है, मु० कामाक्षा)

बटूक भैरव के फाटक से सटे हुए उत्तर बगल के शिवालय में है।

91-0542-42462

REAL ESTATE CONSULTANTS

AUTHORISED AGENTS : UNITECH LTD

Planners, Designers & Architects

८२. ब्रह्मपदप्रदेश्वराय नमः (म० नं० मु० कामाक्षा)

८३. बटूक भैरवाय नमः (म० नं० बी० २१/१२६ में है, मु० कामाक्षा)।

८४. धूशृतेश्वराय नमः (म० न० बी० २१/१२६ में है, मु० कामाक्षा)।

८५. बटुक भैरवेश्वराय नमः (म० नं० बी० २१/१२६ में है, मु० कामाक्षा)।

यह उन्मत्त भैरव काशीखण्ड के हैं। भैरव यात्रा में इनका दर्शन करें।

८६. उन्मत्त भैरवाय नमः (म० नं० १० २१/१२६ में है, मु० कामाक्षा)।

कामाक्षा से पूर्व रामकृष्ण मिशन कौड़िया स्पताल में प्रथम फाटक के अन्दर दाहिनी तरफ के शिवालय में है।

८७. लवेश्वराय नमः (म० नं० डी० ४५/५१ में है, मु० लक्सारोड़)

यहाँ से नित्य वसिष्ठेश्वर नित्य यात्रा प्रारम्भ

लवेश्वर से उत्तर सड़क पार करते ही उत्तर जाने वाली पहली गली छोड़कर दूसरी पतली कुशेश्वर गली में है।

३१२

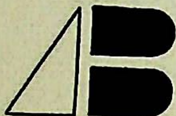
पृ० ४६३

Electricity	:	Electric points in each room, with Main Board arrangement on ground floor.
Accessories	:	Telephone outlet in Lobby with inter connecting conduit in each room. Main box on Gr. level. T.V. Antena outlet in Living Room, inlet of Antena in side Balcony. Cable T.V. arrangement can be provided on request.

Note :

1. Specifications subject to change at the time of construction / availability.
2. Finishing can be accommodated on the request of the individual purchaser/owner's flat on cost.

Architects :



CONSULTING ENGINEERS & ARCHITECTS
T.N. Bhargava
26, RATHYATRA MARKET
VARANASI - 221010

८८. कुशेश्वराय नमः (म० नं० डी० ५३/३५ में है, मु० लक्सा रोड) कुशेश्वर से पश्चिम रामेश्वर तीर्थ पक्का विशाल कुण्ड है।

८९. रामेश्वराय नमः (म० नं० डी० ५४/४५ में है, मु० रामकुण्ड)।

९०. हनुमतेश्वराय नमः (म० नं० ५/४/४५ में है, मु० रामकुण्ड)।

अखाड़ा में रामेश्वर से सटा हुआ दक्षिण बगल में है।

९१. वसिष्ठेश्वराय नमः (म० नं० डी० ५४/४५ के सामने में है, मु० रामकुण्ड)। वसिष्ठेश्वर से पूर्व बगल में सटे हुए मंदिर में है।

९२. नारदेश्वराय नमः (म० नं० डी० ५४/४५ सामने में है, मु० रामकुण्ड लक्सा रोड)।

रामकुण्ड से पूर्व विशाल महालक्ष्मी तीर्थ पक्का लक्ष्मी कुण्ड है, लक्ष्मी कुण्ड के उत्तर तट में लक्ष्मीजी हैं।

महालक्ष्मी नित्य दर्शन यात्रा प्रारम्भ)

९३. महालक्ष्मी देव्यै नमः (म० नं० डी० ५२/३८ में हैं, मु० लक्ष्मीकुण्ड)।

Number of flats	:	2 per floor level
Area per flat	:	96.62 Sqm/1040
Structure	:	R.C.C. frame structure with Brick wall partitions in Cement mortar
Finishing	:	All internal walls and ceilings cement mortar plaster with niru finish. External surface cement plaster with cement base paint.
Flooring	:	Grey cement mosaic flooring in rooms passage and verandah.
Kitchen	:	Kotah stone floor, ceremic tiles 4' ht on walls, stainless steel sink, Marble stone platform.
Toilets	:	Quality Vitrous China sanitary wares, C.P. Brass fittings .(GEM), Hot & Cold water lines, Ceramic Tiles flooring and on walls 4' ht. Fibreglass/PVC cistern.
Doors & Windows	:	Seasoned Chaap Wood/steel chawkhats, flush door shutters, Teak wood glazed window shutters enamelled paint.
Water supply	:	Provision for under ground and over head water storage tank, corporation water supply.

९४. कूणिताक्ष विनायकाय नमः (म० नं० डी० ५२/३८ में है, मु० लक्ष्मीकुण्ड)।

९५. महाविष्णवे नमः (म० नं० डी० ५२/३८ में है।

९६. करवीरेश्वराय नमः (म० नं० डी० ५२/३८ में है, मु० लक्ष्मीकुण्ड)।

९७. मण्डविनायकाय नमः (म० नं० डी० ५२/३८ में है)।

९८. कमला देव्यै नमः (म० नं० डी० ५२/४० में है, मु० लक्ष्मी कुण्ड)।

९९. शिखीचण्डी देव्यै नमः (म० नं० डी० ५२/४० में है)।

१००. मयुखी देव्यैनमः (म० नं० डी० ५२/४० में है)। उग्रेश्वर पुरुषोत्तम भगवान के मंदिर में है।

१०१. उग्रेश्वराय नमः (म० नं० डी० ५२/४९ में हैं, मु० लक्ष्मीकुण्ड)

१०२. पुरुषोत्तम विष्णवे नमः।(म० नं० डी० ५२/४१ में है)।

१०३. अष्टभुजा देव्यै नमः।

9								
10								
11								
12								
13								
14								
15								

१०४. दक्षिण महाकाली देव्यै नमः। (मु० लक्ष्मीकुण्ड) कालीजी दक्षिण लक्ष्मी कुण्ड के पूर्व दक्षिण में है।

१०५. महालक्ष्मीश्वराय नमः (म० नं० डी० ५२/५४ में है)। लक्ष्मीकुण्ड से पूर्व सड़क से दशाश्वमेघ घाट)

दशाशमेधघाट होते हुए प्रयागराज घाट में शूलटङ्केश्वर के सामने गङ्गाजी में काशी का रुद्र सरोवर तीर्थ है।

१०६. रुद्र सरोवरतीर्थाय नमः। शूलटङ्केश्वर से उत्तर सटे हुए बगल के देवालयों में रुद्र सरोवरेश्वर हैं यहाँ दर्शन करके चलें

१०७. रुद्रसरोवरेश्वराय नमः।

१०८. शूलटङ्केश्वराय नमः।

१०९. गङ्गेश्वराय नमः। (मु० यागराजघाट) गङ्गेश्वर से दक्षिण बगल में शीतला देवी जी के मंदिर में है। प्रयागराज घाट से गङ्गा जल साथ में लेकर चलें।

११०. सीतकेश्वराय नमः (म० नं० डी० १८/१९ में है।)

१११. बड़ी शीतला देव्यै नमः (म० नं० डी० १८/१९ में है, मु० दशाश्वमेध घाट)।

- On completion of masonary work — 10%
- On completion of flooring work — 5%
- On completion of inside and out side plaster work — 5%
- On completion of sanitary & electric work — 5%
- On possesion — 5%

Garrage cost Rs 425 per sft

Note :

1. The rates for areas given above are inclusive of proportionate common areas and facilities
2. The inaugural discount can be withdrawn without notice by the builder.
3. A timely payment discount of 2% will be offered if all the installments are paid in time. as per installment plan.
4. Price is inclusive of cost of land.

Price is subject to revision without notice, before booking.

११२. दशहरेश्वराय नमः (म० नं० डी० १८/ १९ में है)।

शीतला देवी के मन्दिर से ऊपर दो मंदिर हैं।

११३. मान्धातेश्वराय नमः (म० नं० डी० १८/२१ शीतला घाट)

११४. गोव्याघ्रे श्वराय नमः (म० नं० डी० १८/२१ में है, मु० शीतलाघाट) प्रयाग घाट के ऊपर गङ्गा देवी जी के दर्शन करके बगल से बन्दी देवी गली में प्रवेश करते ही बायी तरफ के शिवालय में जम्बुमेश्वर हैं।

११४. जम्बुनेश्वराय नमः।

११५. सरस्वतीश्वराय नमः (म० नं० बगल में डी० १७/१ में है, मु० प्रयागराज घाट)। बन्दिदेवी पूर्वाभिमुख हैं।

११६. बन्दीदेव्यै नमः (म० नं० डी० १७/१ में है, मु० प्रयागराज घाट)।

११७. प्रयागेश्वराय नमः (म० नं० डी० १७/१ में है, मु० प्रयागराज घाट)। माघमास में और अर्धकुम्भ में, महाकुम्भ में इलाहाबाद में जाकर गङ्गा यमुना संगम में स्नान करने से जो फल होता है, इस पुण्य से, काशी खण्ड में वेदव्यास जी लिखते हैं, काशी के प्रयागराजघाट में स्नान करने से



दशगुना अधिक फल मिलता है। प्रयागराजघाट से पश्चिम काली जी के मंदिर के बगल में दधीचीश्वर हैं।

११८. दधीचीश्वराय नमः। (मु० कामरुमठ में, दशाश्वमेध) यहाँ से दक्षिण केदार जी जाने वाली गली से चौसट्टी चौमुहानी गली से पूर्व बगल में है।

चौषष्ठी देवी दर्शन नित्य यात्रा प्रारम्भ

११९. चतुष्षठी योगिनी देव्यै नमः (म० नं० डी० २२/१७ में स्थित है, मु० चौषष्ठी घाट)।

१२०. चतुष्षष्ठी गणेशाय नमः (२२/१७ में है)।

१२१. भद्रकाली देव्यै नमः (म० नं० डी० २२/१७ में है। वक्रकुण्ड विनायक बगल में हैं।

१२२. वक्रतुण्ड विनायकाय नमः (म० नं० डी० २१/२२ में है, मु० चौषष्ठीघाट) चौषष्ठी मठ में फाटक के अन्दर दाहिनी ओर के मन्दिर में सबसे बड़ा शिव लिङ्ग है।

१२३. चतुःषष्ठीदेवीश्वराय नमः (म० नं० डी० २१/२२ में है, मु० चौषष्ठी घाट) चौषष्ठीदेवी चौमुहानी से पश्चिम बगल में पुष्यदन्तेश्वर के बगल में है।

१२४. पातालेश्वराय नमः (म० नं० डी० ३२/१ में है, मु० पातालेश्वरम)।

Diesal Engine	1	20.00	6150
Misc.	32	490.18	17338

Mirzapur occupies first place regarding Investment and employment followed by Allahabad in employment and Gonda in investment (table) baharaich occupies last place in investment and employment both.

SUGAR INDUSTRY

Sugar industry in any country is of significant national importance, as it is a major agrobased industry supporting many sugarcane growers, creating employment opportunities for many people in the rural areas, supplying an important essential commodity like sugar to the consumers and earning foreign exchange for the

१२५. पुस्पदन्तेश्वराय नमः (म० डी० ३२/१ में है, मु० पातालेश्वर, बंगाली टोला) पुष्पदन्तेश्वर के दर्शन, पूजा करने वाले नर-नारियों को किसी भी मंदिर में चड़ा हुआ विल्वपत्र, पुष्प इत्यादि पैर से कुचलने का पाप नष्ट होते हैं। चूँकि सड़क या गली में पड़े हुये पुष्प जान या अन्जान में पैर के नीचे आते हैं, उन पापों का प्रायश्चित्त हो जाता है।

१२६. एकदन्तविनायकाय नमः (म० न० डी० २२/१ में है) पुष्पदन्तेश्वर से पश्चिम बगल में कालीजी के मन्दिर से सटे हुए पश्चिम बगल के शंकर जी के मंदिर गरुड़ेश्वर हैं।

१२७. गरुड़ेश्वराय नमः (म० नं० डी० ३१/४३ में स्थित है, मु० जंगमबाड़ी तेलियाना मुहल्ले में हैं। गरुड़जी की तपोभूमि है, द्वितीय सं० काशी दर्शन देखिये। गरुड़ेश्वर से पूर्व तारावाणी में तारादेवी के दर्शन कर के बगल से पाण्डेय घाट के ऊपर रङ्गामाटी अन्न क्षेत्र में है।

१२८. सर्वेश्वराय नमः (म० नं० डी० २५/७ में है, मु० रङ्गामाटी अन्नक्षेत्र, पाण्डेयघाट)।

१२९. सोमेश्वराय नमः (म०नं० डी० २५/७७ में सर्वेश्वर



step.

Ayurvedic drugs could be a better choice for investigating a new antiinflammatory drug as it is the oldest system of medicine and is in practice since centuries without any side affect. There is some clinical & experimental observation for these drugs so it is better to work on these medicines rather than random screening of plant.

Object: The aim of this study is to screen a series of ayurvedic medicines for their antiinflammatory property. The postive drugs will be selected for further investigation to see their effect on specific enzyme/pathway. The efforts will be made to isolate the fraction of the crude extract which is responsible for this property.

Significance of the Project:

The outcome of this project will lead to the development of a new antiinflammatory drug of herbal origin with the least side effects. These drugs will be of new kind because it may inhibit more than one pathway at a time which is not the case with available antiinflammatory agents.

This product will be our own Indian product, It will be out of any foreign patent copyright and will pave a path for raising a lot of foreign exchange because arthritis is a third most popular disease in the world as per WHO survey.

Specific Aim:

1. Screening of three ayurvedic medicinal plants *Semecarpus anacardium*, *Dalbergia lanceolaria*, and *Commiphora mukul* for their antiinflammatory property.

2. Selection of one positive drug and its partial fractionation.

3. To study the effect of these fraction on different biochemical pathways.

Preliminary study:

From time to time several research groups in their different studies have shown that these

से दक्षिण बगल के दतात्रय मठ में है)।

१३०. नारदेश्वराय नमः (म० नं० डी० २५/१२ में स्थित है, मु० नारदघाट)। यह नारदजी की तपोभूमि है।

१३१. अत्रीश्वराय नमः (म० नं० डी० २५/१२ में है)।

१३२. अनुसूइया देव्यै नमः (म० नं० डी० २५/१२ में है)।

१३३. दतात्रय मूर्तिभ्यो नमः (म० नं० डी० २५/१२ में है। नारदेश्वर से पश्चिम त्रिमुहानी में पहुँचते ही बायीं तरफ मठ के शिवालय में नर्मदेश्वर हैं।

१३४. नर्मदेश्वराय नमः (म० नं० बी० ७/१८७ में स्थित है मु० मानसरोवर)। नर्मदेश्वर के दक्षिण बगल में दाहिने तरफ देवालय में विशाल शिव लिङ्ग है। इस किस्म का शिवलिङ्ग अन्य जगह नहीं है।

१३५. रघुनाथेश्वराय नमः (म० नं० बी० १४/८५ में है, मु० मानसरोवर घाट)।

१३६. ग्यारह रुद्रेश्वराय नमः (म० नं० बी० १४/८५ में है, मु० मानसरोवर) रघुनाथेश्वर से दक्षिण बगल मेंमानसरोवरतीर्थ है।

१३७. मानसरोवर तीर्थाय नमः। पहले विशाल पक्का कुण्ड



In Eastern Uttar Pradesh, with high population pressure and under employment, there is no labour problem. But problem is of quality of labour. About 67.83 per cent of total population is non-working force. Mirzapur and Basti district have below 65 per cent non- working population. However remaining districts have more unemployed population.

OBJECTIVES OF THE STUDY

Within the scope of this book on the processes and problems of industrialisation in Eastern Uttar Pradesh, it has obviously been impossible to do more than sketch the general nature of the many problems associated with the growth of industry. The thesis will have served its main purpose, however, if it succeeds in placing industrial development in a clearer relationship to economic development as a whole and in a perspective that will enable the central and state Governments and institutions to decide on the most promising course of further investigation in this field.

In the perspective of the work one has special interest in three aspects of the subject : (i) the place of industrialisation in the wider problem of integrated economic development, (ii) means of assisting Eastern Uttar Pradesh to draw up practical

From time to time several research groups in their different studies have shown that these

था। नीचे स्रोत है। जल ठण्डा मीठा है। मार्जन करके दर्शन करें और जलपीकर चलें।

१३८. कैलासेश्वराय नमः (म० नं० बी० १४/९२ में स्थित है, मु० मानसरोवर)। आन्ध्रा मठ (आश्रम) में कैलासेश्वर से दक्षिण बगल के आदि) शंकराचार्य मठ में आदि शंकराचार्य जी की मूर्ति पूर्वाभिमुख है, दर्शन करें। आदि शंकराचार्य के मठ में पूर्व-उत्तर के कोने के शिवालय में क्षेमेश्वर हैं।

१३९. क्षेमेश्वराय नमः (म० नं० बी० १४/११ में है, मु० आदि शंकराचार्य मठ, मानसरोवर) क्षेमेश्वर से दक्षिण गली के दाहिने तरफ ऊपर छोटे कुमार स्वामी के मठ में चित्राङ्गदेश्वरी देवी उत्तराभिमुख हैं।

१४०. चित्राङ्गदेश्वरी देव्यै नमः (म० नं० बी १४/११ में है, मु० चौकीघाट)।

१४१. चित्राङ्गदेवेश्वराय नमः (म० नं० बी १४/११ में है)। चित्राङ्गदेवेश्वर से दक्षिण बगल के बाल हनुमान जी के मंदिर में है।

१४२. रुक्माङ्गदेवेश्वराय नमः (म० नं० बी० १४/१ में स्थित है, मु० चौकाघाट)।

With a view to implementing the new strategy, the following steps have been taken:

(1) For the 11 'zero' districts at least one large project in each district will be set up either in the state/joint sector or in the private sector. These nucleus projects will help in the promotion of a large number of ancillary and other small scale industries in these districts. The Task force constituted for this purpose is identifying the projects and is also monitoring their progress.

१४३. अंबरीषेश्वराय नमः (म० नं० १४/१ में है)।

चौकीघाट से दक्षिण बगल में गली के दाहिने तरफ ऊपर के शिवमन्दिर में ओंकारेश्वर हैं।

१४४. ओंकारेश्वराय नमः (म० नं० बी० ७/८३ में स्थित है, मु० केदारघाट)। केदारेश्वर के पश्चिम फाटक से सटे हुए शिवालय में तारकेश्वर हैं।

१४५. तारकेश्वराय नमः (म० नं० बी० ६/१२ में हैं)।

१४६. केदारेश्वराय नमः (म० नं० बी० ६/१०२ में है)

केदारेश्वर के दर्शन पूजा करके प्रणाम करते हैं, यात्री अपने-अपने मनोरथ पूर्ति के लिये केदारेश्वर से प्रार्थना करते हैं। केदारेश्वर अन्तर्गृही यात्रा करने के पश्चात् जो यात्री प्रार्थना करते हैं, उनकी मनोकामना पूर्ण होती है।

केदारेश्वर अन्तर्गृही यात्रा पूर्ण हुई। संकल्प छोड़कर ब्राह्मण को सीधा यथा शक्ति दक्षिणा देकर साधु, संन्यासियों को फल मिष्टान्न आदि जलपान देकर केदार अन्तगृही यात्रा का स्मरण करते हुए, यात्री अपने-अपने घर जाते हैं। दूसरे दिन कोई-कोई उपनिषद्, गीता पाठ करवाते हैं, यात्री ३ घण्टा के कीर्तन करते हैं, अखण्ड कीर्तन भी कराते हैं। रामायण के सुन्दरकाण्ड का पाठ करते हैं, कोई कोई यात्री अखण्ड

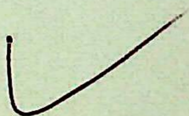
PROCESSES OF INDUSTRIALISATION IN EASTERN UTTAR PRADESH BY THE GOVERNMENT:

INDUSTRIAL DISPERSAL MEASURES

In June 1962 in a debate in the Lok Sabha there was a critical refrence to the extremely backward conditions of Eastern districts of Uttar Pradesh. The chairman of the planning commission suggested to the Deputy Chairman that the question of

रामायण पाठ कराते हैं, शिवपूजा करके साधू, ब्राह्मण को एक एक से यथा शक्ति भोजन कराते है। इस जन्म और जन्मान्तर के पापों के प्रायश्चित्त के लिए ग्यारह बार केदारेश्वर अन्तर्गृही यात्रा करनी चाहिए।

हरिओं तत्सत् शिवार्पणमस्तु।



by Canadian Prof. S.

M.Sc.	1966	1st Div. (Physics) Banaras Hindu Unive Varanasi INDIA.
B.Sc. (with Hons.)	1964	1st Div. (Physics, Chemistry, Banaras Hindu Univ Varanasi INDIA.

Professional Experience :

1993 – Present – Professor of Applied Physics, Institute of Te
Banaras Hindu University, Varanasi INDIA
Working on Optical Waveguides, Fiber Optics and Optoel

1984 –1993 - Reader in Applied Physics, Institute of Technolo
Banaras Hindu University, Varanasi INDIA.
Working on optical waveguides, fibre optics and atomic c

1972 - 1984 - Lecturer and Scientist Pool Officer in Applied P
Lecturer in Electrical Engineering.
Investigation and research in the field of Atomic Collision and disordered structures. Preparation and porperties red transmitting glass.

1966 - 1972 - Research Fellow in the area of Atomic Collision.